विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 6 से 12 जून 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 50 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881 पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

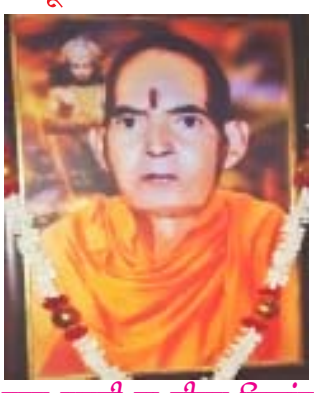

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

ज़ीवन में पिता जब तक जिंदा रहता है औलाद उनके महत्व को नहीं समझ पाती है. लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि घर का मुख्य पिल्लर वही होता है, वह जब जलता है तभी घर रोशन होता है. लेकिन आज के दौर में नाते-रिश्ते का अपनापन कम हो रहा है. बेटा जब पिता के कंधे से मिलकर काम करता है तो उसे दुगुनी ताकत मिलती है. इसलिए माता-पिता का सम्मान उनके जीते जी ही करें. मरने के बाद कोई लाभ नहीं होता.

परमार्थ का सर्वोच्च माध्यम है नेत्रदान

विश्व नेत्रदान दिवस पर विशेष, मरकर भी अमर नाम करता है कार्य

श्वेता सुभाष दुबे,5 जून

अमरावती- ज़ो पैदा हुआ है, उसे एक न एक दिन इस दुनिया से जाना ही है. इसमें किसी को भी संदेह न रखना चाहिए और न ही रख सकता है. लेकिन जन्म से लेकर दुनिया से विदा होने तक हम अपने लिए कितने जिए, इसको कुछ खास महत्व नहीं होता है. मैने इधर-उधर कर कितनी बिल्डींगे बनाई, इसको भी महत्व नहीं रहता है. लेकिन जीवन के दौरान हम कितने के काम आए, इसको अत्याधिक महत्व रहता है. आज हमारा शरीर करोड़ों रूपए से बढ़कर कीमती है. प्रभु ने इसे उपहार में दिया है तो हमारा भी फर्ज बनता

है कि हम अपने से कमजोर की मदद करें, मौत के बाद शरीर जलाया ही जाता है, ऐसे में जिंदा रहते समय अच्छे काम करें और मरने के पूर्व ही अपने शरीर के नेत्र, किडनी के साथ ही अन्य अवयवों का दान कर हम हमेशा के लिए अमर हो सकते हैं. मानवता के इन कामों के कारण दुया हमेशा याद करती है. हरीना नेत्रदान समिति द्वारा इस दिसा में किया जा रहा कार्य निश्चित ही सराहनीय ही नहीं तो अभिनंदनीय है. मनोज राठी, चंद्रकांत पोपट के साथ ही उनकी पूरी टीम शेष पेज 2 पर

नेत्रदान, पर्यावरण में सभी दें सहयोग-सुदर्शन गांग

सप्ताह में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिन और 10 जून को नेत्रदान दोनों ही दिन मानवता के लिहाज से महत्वपूर्ण और परमार्थ के काम है. विश्व पर्यावरण दिन पर हम अधिकाधिक पेड़ लगाकर वसुंधरा को सजा सकते हैं और मौत के बाद नेत्रदान तथा अवयवदान करते हुए किसी के जीवन में खुशियां ला सकते हैं. एक पेड़ की छांव में जितने जीव-जंतु,प्राणि और इन्सान बैठेंगे, उसका पुण्य मिलेगा और नेत्रदान से किसी के अंधेरे जीवन में खुशियां ला सकते हैं और अमर हो सकते हैं.साथ मानव सेवा का परमार्थ कर इंसानियत को बढ़ावा दे सकते हैं.

संपादकीय

वसुंधरा की हरियाली की जिम्मेदारी हर मानव की

जिस प्रकृति ने हमें जिंदा रखा है, अन्न,जल और आक्सीजन दिया है, उस प्रकृति के बदलते रूप आगामी पीढ़ियों के लिए खतरनाक हैं. विश्व पर्यावरण दिवस पर हमें हमारी धरती मां को सजाने और हरियाली से इसकी सुंदरता को चार-चांद लगाने का संकल्प करना चाहिए. आज स्वार्थी तथा शेखचिल्ली की भूमिका इन्सान द्वारा निभाया जा रहा है. ग्लोबल वार्मिंग से पूरा विश्व परेशान रहने के बाद भी हम आज भी समझदार नहीं बने हैं. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रकृति अगर अच्छी है तो ही इन्सान अच्छा रह सकता है. क्या बिना आक्सीजन के हम एक दिन जिंदा रह सकते हैं. लेकिन हमारे जीवन में करोड़ों रूपए के आक्सीजन देने वाले कितने पेड़ हमने लगाए और उनका संवर्धन किया, यह क्यों नहीं समझ पाते हैं. 5 जून को विश्व पर्यावरण दिन मनाया गया. इस उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम हुए, सभी ने पेड़ पौधों और प्रकृति के जतन पर अपने विचार व्यक्त किए. लेकिन पर्यावरण संतुलन का विषय इन्सानी जिंदगी से जुड़ा रहने के कारण इस मामले को जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, उतनी गंभीरता से नहीं लेने का ही कारण है कि पूरे विश्व को ग्लोबल वार्मिंग से जूझना पड़ रहा है. सरकारी पौधारोपण की औपचारिकता तो हास्यास्पद ही कही जा सकती है. केवल पौधारोपण करने और फोटो निकालकर उसे सोशल मीडिया पर डालने और बिल मंजूर कराने वाली जो मानसिकता है, वह भविष्य के लिए घातक कही जा सकती है. विश्व के कई देशों में जलसंकट की स्थिति है. अमरावती के ही पड़ोस में अकोलावासियों को पानी के लिए रात भर जागना पड़ता है.सवाल यह नहीं है कि केवल सुविधा का लाभ उठाने की ही हमारी मानसिकता हो, बल्कि पर्यावरण के क्षेत्र में हर व्यक्ति को यह सोचकर योगदान देने का प्रयास करना चाहिए कि उसके द्वारा लगाया गया पेड़ बड़ा होकर जितने लोगों को छांव देगा, जितने पशु इसके नीचे बैठकर ठंडक का एहसास करेंगे, उन सभी का पुण्य भी उसके ही खाते में जाएगा. वृक्षवल्ली आम्हा सोयरे वनचरे के माध्यम से हमारे संत महात्माओं ने भी यही संदेश दिया है. लेकिन हैरत लगती है कि हम पेड़ की छांव चाहते हैं, आम तो चाहते हैं लेकिन पेड़ लगाने की दिशा में उतने सक्रिय नहीं होते हैं, जितना होना चाहिए. पेड़ों की कटाई तो तेजी से की जा रही है लेकिन उसके अनुपात में पेड़ लगाने की प्रक्रिया कम रहने के कारण लोगों को परेशानी होती है. जल है तो ही कल है और जल का स्त्रोत पेड़ होते हैं. विश्व पर्यावरण दिवस केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए. इसकी महत्ता को समझने और इसे जीवन में उतारने के साथ ही बच्चों को भी इस दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. तभी धरती की सुंदरता बढ़ेगी.

उन्माद किसी का भी अनुचित होना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान
मेरी तो खरी-खरी
www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

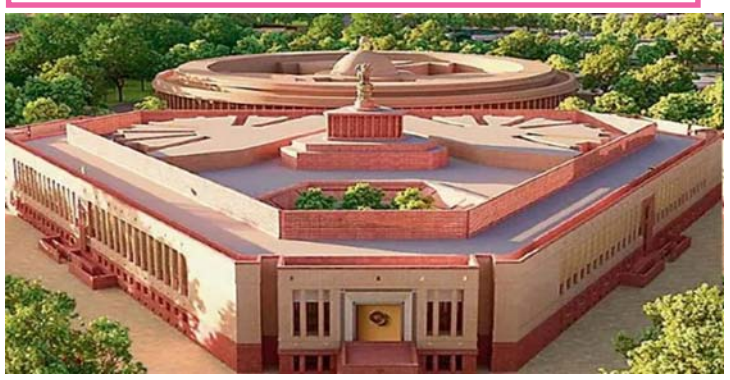

देश में लोकसभा का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गया. इसमें एनडीए को बहुमत देकर देशवासियों ने जहां उनमें विश्वास जताया,वहीं दूसरी ओर 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन को भी संभालने का काम किया है. कांग्रेस की हालत यद्यपि बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती है लेकिन इसके साथ ही राहुल गांधी द्वारा भारत यात्रा के साथ जिस तरह से दिन-रात एक किया गया, उसको भी लोगों ने सराहा है. इसमें कोई दोमत नहीं है. लेकिन राजनीति केवल चुनाव खत्म होने तक होनी चाहिए. बदले की राजनीति कभी नहीं होनी चाहिए. यह देश सभी का है, ऐसे में सबसे पहले सभी की जिम्मेदारी राष्ट्रधर्म पहले होनी चाहिए. जो धर्म दूसरे धर्म को नीचा दिखाए, वह धर्म नहीं हो सकता है. धर्म तो जोड़ना सिखाता है. चुनाव के बाद जिस तरह से कुछ जिलों तथा राज्यों में कुछ लोगों का नंगानाच देखने मिल रहा है, वह कतई समर्थनीय नहीं है. सवाल यह नहीं है कि कौन जीता, कौन हारा लेकिन ऐसे बदमाश तत्वों के कारण कौम बदनाम होती है. इसका ध्यान हर वर्ग के लोगों को रखना चाहिए. शालीनता और कानून सबसे बड़ा होना चाहिए. लेकिन यह दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ता है कि जब किसी जाति,धर्म विशेष पर टिप्पणी के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनकर खड़ी रहती है तो निश्चित तौर पर बुद्धिजीवियों को तकलीफ होती है. कानून का डंडा अगर बद् तमीजी करते समय ही चलाया जाए तो निश्चित तार पर इस तरह की बद्मीजी करने वालों पर अंकुश लगेगा. सोशल मीडिया पर विडियो वायरल होने के बाद भी अगर पुलिस द्वारा स्वयं होकर मामला दर्ज नहीं किया जाता है तो यह भी कानून के खिलवाड़ से कम नहीं होना चाहिए. सार्वजनिक तौर पर इस तरह की बद्मतीजी बर्दाश्त करने का मतलब ही यही होना चाहिए कि ऐसे बदमाश तत्वों को कानून का डर नहीं है. जब सार्वजनिक तौर पर वह इस तरह की गैरजिम्मेदाराना करते हुए उन्माद मचाने का कार्य कर सकते हैं तो निजी तौर पर वह कितने उन्मादी होंगे, इसका आकलन सहज किया जा सकता है.राजनीति में हार-जीत चलती है. कुछ ही ऐसे भाग्यशाली होते हैं जिनके नसीब में सदैव जीत होती है. लेकिन कार्यकर्ताओं के कारण ही कई नेताओं के पतन का इतिहास है. अमरावती से नवनीत राणा भले ही कुछ लोगों के इगो के कारण चुनाव हारी हैं लेकिन इसका मतलब राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हस्ती बनी उनका राजनीतिक कैरियर खत्म नहीं हुआ है. हां उन्हें चिंतन-मनन करने के साथ ही कोशिश करनी होगी और सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करना होगा. उन्मादी तत्व किसी भी पक्ष के हों , पुलिस को समय रहते उनकी नकेल कसने का प्रयास करना चाहिए. वर्ना बाद में यही लोग नासूर होते हैं और संकट पैदा करते हैं.

नेत्रदान मरकर अमर करने वाला दान

पेज 1 से जारी- का इसके लिए जितना अभिनंदन किया जाए कम है. हर नागरिक मानव सेवा के नेत्रदान रूपी कार्य से किसी के अंधेरे जीवन को रोशन कर सकता है और मौत के बाद भी दुनिया देख सकता है. इसलिए सभी को दुनिया से विदा लेने से पूर्व इस तरह का संकल्प करना चाहिए और परिवार को भी उसके संकल्प को पूरा करने का संकल्प करना चाहिए. जीवन में कुछ काम ऐसे होते हैं, ज़िन्हें करने वाले को कोई नहीं भूल सकता है. 5 जून को विश्व पर्यावरण दिन और 10 जून को विश्व नेत्रदान दिवस है. यह भी कम संतोष की बात नहीं है कि हरीना नेत्रदान समिति,दिशा फाउंडेशन, महालक्ष्मी नेत्रालय सहित शहर में कई संगठनों द्वारा नेत्रदान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है. वैसे भी जिंदगी प्रभु द्वारा दिया गया उपहार है. इन्सान ही ऐसा सामाजिक प्राणि है, जिसमें भावनाएं रहती हैं, जो दूसरों के दर्द समझने और महसूस करने की ताकत रखता है. लेकिन आज के दौर में कुछ अपवाद के बाद भी मनोज राठी, चंद्रकांत पोपट सहित आज भी कई लोग ऐसे हैं, जिनका दिल सदैव कुछ करने के लिए लालयित रहता है. इन्सान के रूप में पैदा होने

विदर्भ स्वाभिमान
परमार्थ करते रहिए

के बाद जिस प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है, उसको हम कितना लौटाते हैं.

विश्व नेत्रदान पर हर व्यक्ति को यह संकल्प लेना चाहिए कि जब यह नश्वर शरीर न उसके और न ही अन्य के काम में आने वाला है तो ऐसे में सर्वोच्च परमार्थ अवयव दान वह नेत्र, किडनी, हार्ट के साथ ही जो भी अवयव दान कर सकता है अगर दान करता है तो उसके दुनिया में नहीं रहने के बाद भी दुनियावालों की नजरों में वह जिंदा रहता है.

रक्तदान के क्षेत्र में जिस तरह से अमरावती का नाम राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान से लिया जाता है, नेत्रदान के मामले में इसी उपलब्धि का संकल्प सभी को लेना चाहिए. वैसे भी शरीर से प्राण निकलने के बाद उसे अग्नि ही दी जाती है. ऐसे में अगर हम दुनिया से अलविदा होते समय किसी के जीवन में उजियारा कर सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम नहीं हो सकता है. युवा डाक्टरों की सराहना करनी चाहिए, जो इस काम में स्वयं को झोंके हुए हैं. ऐसा करने के बाद जो संतुष्टी मिलती है, उसकी धन-दौलत से तुलना नहीं हो सकती है. नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन के अंधेरे का दर्द केवल वही समझ सकता है. ऐसे में अगर हम मौत के बाद किसी के जीवन में प्रकाश दे सके तो निश्चित ही हमारा यह लोग और परलोग दोनों ही संवरने से इंकार नहीं कर सकते हैं. इस मामले में हरीना नेत्रदान समिति के सभी पदाधिकारी तथा सदस्यों के साथ ही प्रा. मुकेश लोहिया और सभी पदाधिकारी, स्वयंसेवक के साथ ही इस महान काम में योगदान देने वाले सभी लोग अभिनंदन के पात्र हैं. आज नेत्रहीन रहने का दर्द और सुंदर संसार को निहारने से वंचित रहने वालों का दर्द वही जानते हैं. हम हमारे ही घर में आंख बंदकर दस मिनट कोई चीज ढूंढने का प्रयास करें तो निश्चित तौर पर इसका दर्द हमारी समझ में आ जाएगा. लेकिन जीवन में जिनके यह अंधेरा हमेशा के लिए है, वहकैसे करते होंगे. वैसे भी अंतिम संस्कार के बाद हमारा शरीर जलकर राख बनता है लेकिन इसके पहले अवयव दान के माध्यम से हम किसी इंसान की मदद कर इंसानियत की अलख अवश्य ही जगा सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

आदर्श पिता, आदर्श जनसेवक हैं राजकुमार पटेल

पुत्र रोहित पटेल ने गिनाई पिता की खूबियां, आदिवासी जनता के नायक से नहीं हैं कम, क़रोड़ों के विकास काम में अग्रणी

विदर्भ स्वाभिमान,5 जून

अमरावती/मेलघाट-मैं स्वयं को अत्याधिक भाग्यशाली समझताहूं जो आदिवासी जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव जी-जान से प्रयास करने का संस्कार मेरे विधायक पिता तथा आदिवासियों के दिलों में नायक के रूप में स्थान रखने वाले राजकुमार पटेल से मिला. उनके गुरूवार 6 जून को जन्मदिन पर हजारों की संख्या में लोगों द्वारा जिस तरह से उनका सत्कार किया जाता है, यह सारे पल मेरे लिए आदर्श और अविस्मरणीय रहते हैं. पिता के ही पदचिन्हों पर चलते हुए मेलघाट की सदैव सेवा करने की मानसिकता रहती है. इस आशय का मत धारणी कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सभापति और विधायक राजकुमार पटेल के सुपुत्र रोहित राजकुमार पटेल ने किया. पिता की खूबियों को गिनाते हुए वे बताते हैं कि बचपन से ही उन्हें जनसेवा का संस्कार मिला है. पिता दिन-रात जहां जनता की सेवा में व्यस्त रहते हैं, वहीं दूसरी ओर यही सीख उन्होंने सदैव दी है. महाराष्ट्र में रक्त की कमी को ध्यान में रखते हुए अपने जन्मदिन को भी सामाजिक रूप देने के लिए जनसेवा कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है. इसमें भारी संख्या में युवाओं ने उमड़कर अपने लोकप्रिय नेता के जन्मदिन पर रक्तदान के माध्यम से सामाजिक काम करने का प्रयास करेंगे. रोहित पटेल ने बताया कि बचपन से ही पिता ने हमेशा राजनीतिसे भी अधिक समाजसेवा कार्य करने की सीख दी है. आदिवासियों, किसानों के साथ ही जनता की किसी भी समस्या के लिए प्रशासन तथा वन विभाग से भी कई बार भिड़ जाते हैं. इसके कारण प्रशासन में भी विधायक राजकुमार पटेल की आक्रामकता का खौफ देखा जाता है. कृषि मंडी सभापति के रूप में धारणी के किसानों को सदैव न्याय दिलाने का प्रयास करने वाले रोहित पटेल का कहना है कि जनता उनके लिए परिवार की सदस्य रहती है. इसलिए वे जनता का दर्द नहीं देख पाते हैं. आदिवासियों की कोई भी समस्या हो, सबसे पहले उनके पिता राजकुमार पटेल सामने आते हैं और तब तक शांत नहीं बैठते हैं जब तक समस्या का समाधान नहीं होता है.

पिता ही हैं आदर्श

मेलघाट में अपार लोकप्रियता प्राप्त करने के साथ ही गरीबों , आदिवासियों और किसानों को सदैव न्याय दिलाने के लिए तत्पर रहने वाले प्रहार पार्टी के वरिष्ठ नेता विधायक राजकुमार ही उनके आदर्श रहने की जानका हुए युवाओं में भी तेजी से लोकप्रि रहे रोहित पटेल ने बताया कि पूरा परिवार ही सदैव सत्ता की जनता की सेवा को महत्व देता है कारण है कि आज पटेल परिवा मेलघाट ही नहीं तो राज्यस्तर पर राजनीतिक परिवार के रूप में जाता है. लोगों का प्रेम ही अपनी बड़ी ताकत बताते हुए किसान बेहतरीन मौका देने वाले रोहित प कहा कि हर व्यक्ति के लिए उनके सहजता से उपलब्ध होते हैं. राज्य पहले ऐसे विधायक हैं, जो सदैव रहते हैं और लोगों की समस्या निराकरण के लिए सदैव तैयार हैं.विधायक पुत्र होने का गुमान कभी भी रोहित पटेल में नहीं दिखाई देता है. किसी से भी बातचीत करते समय उनकी विनम्रता निश्चित तौर पर किसी का भी दिल जीत लेती है. वे कहते हैं कि उनके जीवन में आज वे जो भी करते हैं, इन सभी कार्यों पर पिता के आदर्श की छाप

प्यार सदैव इसी तरह पटेल परिवार को मिलता रहेगा और जनता के सुख-दुख का साथी बनते हुए सदैव प्रयास जारी रखने का भरोसा जताया. रक्तदान शिविर में अधिकाधिक युवाओं से शामिल होने तथा समाज हित में योगदान का आग्रह भी किया.

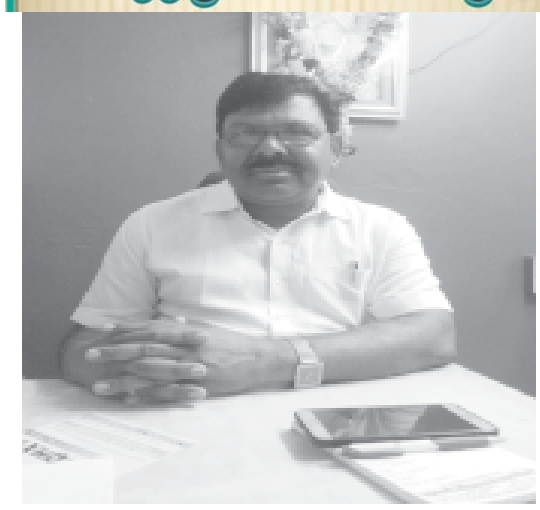

शहर ही नहीं तो जिलास्तर के सुख्यात समाजसेवी, पूर्व नगर सेवक और सामाजिक कामों में स्वयं को झोंकने वाले हम सभी के चहेते तथा मिलनसार स्वभाव के धनी

डॉ.सुभाष रत्नपारखी

को जन्मदिन 10 जून पर हमारी अग्रिम हार्दिक

शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक

रत्नपारखी परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती

विदर्भ स्वाभिमान

सप्ताह के सात वार के अलावा सबसे बड़ा वार परिवार रहता है. जब सभी एक-दूसरे की भावना समझते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं तो वह सुखी परिवार और इसके उल्टा सभी जब एक-दूसरे से जलने की भावना रखते हैं तो वह दुःखी परिवार होता है. आप सुखी परिवार बनें.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

भक्तों का श्रद्धास्थल बनता जा रहा है श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर

पंडित अशोक जोशी का श्रृंगार सभी को भाता, लगती है भीड़

विदर्भ स्वाभिमान, 5 जून

अमरावती - यहां के सतीधाम कॉम्प्लेक्स स्थित भगवान श्रीलक्ष्मीनारायण दुर्गा माता मंदिर में हर माह पड़नेवाली दोनो एकादशी को एकादशी पर्व के रूप मनाया जाता है. इसी श्रृंखला में रविवार को एकादशी पर्व भक्तिभाव से मनाया गया. लाखों भक्तों के श्रद्धास्थल के रूप में इस मंदिर में भक्तों की सदैव भीड़ रहती है. मंदिर के पुजारी पंडित अशोक जोशी द्वारा की जाने वाली सजावट और श्रृंगार भक्तों को आकर्षित करता है. सालभर मंदिर में धार्मिक आयोजनों के साथ ही महाप्रसाद का कार्यक्रम चलता रहा है. शहर ही नहीं तो आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में भाविक भक्त यहां आते हैं और दर्शन कर धन्य हो जाते हैं.

सुबह मंदिर खुलने से लेकर बंद होने तक हजारों की संख्या में भक्त यहां पहुंचते हैं. भक्तों की यह भीड़ दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. हर पर्व पर यहां कोई न कोई आयोजन होता है. महिला भक्तों के साथ ही पुरूष भक्तों की संख्या में तेजी से इजाफा होता है. इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पं. अशोक जोशी महाराज द्वारा श्रीजी व माता राणी का औलोकिक किया गया श्रृंगार सबको आकर्षित कर रहा था. मंदिर परिसर सुशोभित लाईंटिंग डेकोरेशन से जगमगा रहा था. मंदिर द्वारा हो रहे हर आयोजनों में असंख्य श्रध्दालुओं की भारी भीड़ सदा ही बनी रहती है. मंदिर के कार्यक्रमों की सफलतार्थ जवाहर व्यास,एड. सत्यनारायण लढ्ढा, विजय निचत, विजय अनासने,संदीप मेहता, राजेश शर्मा, जानराव इंगले, मोहन साहू, पिकी मुलानी, आशा दवे, किरण लढ्ढा, दुर्गा छांगाणी, कनरु गुप्ता, नविता गुप्ता, दुर्गा साहू,नमी गुप्ता,भगवती आठिया प्रयासरत रहते हैं.

संस्कारों का पतन ही लाता है जीवन में नरक

पं.प्रदीप मिश्रा की सीख, बेहतर करेगे तो ही जीवन में सदैव बेहतर होगा, संस्कार है महत्वपूर्ण

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

क़ुछ बातें सुनने में अच्छी लगती

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा के मुताबिक दूसरों को ज्ञान बांटना आसान रहता है. लेकिन स्वयं अपने जीवन में उस पर अमल कठिन होता है. जो लोग बोले तैसा चाले के सिद्धांत पर चलते हैं, उन्हें सदैव कठिनाई होती है. लेकिन जो लोग केवल ज्ञान बांटने का काम करते हैं और उन पर अमल नहीं करते हैं, ऐसे लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. दोहरा चरित्र ही ऐसे लोगों के दुखों का कारण बनता है. जीवन में मूर्ख के साथ कभी बहस नहीं करनी चाहिए, ठीक वैसे दो मुंहा नहीं रहने तथा समर्पित व्यक्ति का कभी अपमान नहीं करना चाहिए. ऐसा करने से जो परेशानी होती है, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है.

परिवार की एकता ही होती है ताकत

आमतौर पर हिन्दुस्तान को सैकड़ों वर्षों तक मुगलों और अंग्रेजों ने अगर गुलाम रखा तो निश्चित तौर पर जयचंदों के कारण ही यह संभव हो सका. आज भी कुछ इससे हटकर स्थिति नहीं है. जिन पर स्वयं का अभिमान नहीं होता है, जो अपना इतिहास नहीं जानते हैं, ऐसे लोग कभी इतिहास नहीं रचते हैं. इतिहास रचने के लिए एकता की जरूरत होती है. चंद टुकड़ों के लिए जो अपनों की बुराई करने लगे, वह परिवार कभी संवर नहीं सकता है. जहां संस्कार नहीं, वहां आचार-विचार होने का सवाल पैदा नहीं होता है. परिवार आज टूट रहे हैं और हम हिन्दू एकता की बातें करते हैं. सनातन धर्म अपनों के कारण ही सदैव कलंकित हुआ है. वर्ना पूरे विश्व में इसे झुकाने की ताकत किसी में नहीं थी.

अगर राष्ट्र सुरक्षित है तो धर्म सुरक्षित है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि जब हम अपने परिवार की बात करते हैं तो वही एकजुट करने में विफल होते हैं तो समाज और राष्ट्र को क्या एक कर पाएंगे. एकता की शक्ति हम जब समझकर भी नासमझ बनते हैं तो इससे बड़ी बिडंबना और क्या होगी. कहते हैं कि हर धर्म में भाव तिथे देव वाली बात कही गई है. हमारा जैसा भाव होता है, हमें देव भी वैसे ही दिखाई देते हैं. लेकिन अगर शुद्ध भाव नहीं होगा तो देव का दर्शन नहीं हो सकता है. देव का मतलब अच्छाईयां ही हैं. देव और दानव दोनों ही हमारे मन के भीतर रहते हैं. जब अच्छा सोच हो तो समझना कि मन में देव हैं और जब मन में लगातार बुरा विचार आए तो यह सोच लेना कि शायद कहीं हमारी श्रद्धा में गलती है. बेटे-बेटियों पर बचपन में संस्कार नहीं डालने वाले खीझते हैं तो हैरत की बात होती है.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

दिल्ली पब्लिक स्कूल में बच्चों को बताया पर्यावरण का महत्व

पौधारोपण करवाया गया

अमरावती- बिना पर्यावरण के इन्सान जिंदा नहीं रह सकता है. यही कारण है कि प्रकृति है तो ही इन्सान है. इसके महत्व को बताते हुए विदर्भ के सुख्यात दिल्ली पब्लीक स्कूल में बच्चों को पर्यावरण का महत्व बताया गया. अमरावती ही नहीं तो बेहतरीन शिक्षा के मामले में समूचे विदर्भ में सुख्यात डीपीएस में शिक्षा ही नहीं बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास का प्रयास किया जाता है. यही कारण है कि समय के साथ ही विद्यालय में वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है.

इसी कड़ी में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को पर्यावरण के महत्व बताने के साथ ही इसकी महत्ता और इसे बेहतरीन बनाए रखने के लिए लोगों को क्या करना चाहिए, इसकी जानकारी छात्रों को दी गई. प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से प्रदूषित होते पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की महती आवश्यकता है और पौधारोपण से अच्छा कोई विकल्प नहीं है. क्षेत्र की अग्रणी शिक्षण संस्था दिल्ली पब्लिक स्कूल सर्वदा सामाजिक सन्देश देने में अग्रसर रहती है जिससे हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ियां लाभान्वित हो सके. इस तारतम्य में ? जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर डीपीएस में पौधरोपण का कार्यक्रम उल्लासपूर्वक आयोजित हुआ.

स्कूल में हुए कार्यक्रम में विद्यालय की तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और छात्रों के लिए आयोजित उपक्रमों में उपस्थीत रहकर मार्गदर्शन करने वाले प्रभारी उपाध्यक्ष डोलेंद्र पाटील ने विश्व पर्यावरण दिन के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्हों ने स्पष्ट किया किया कि प्रकृति हमें सदैव देती है. लेकिन आज के दौर में पर्यावरण के साथ की जा रही छेड़छाड़ अनुचित है. वसुंधरा को संवारने के लिए अधिकाधिक पैमाने पर पौधारोपण करने की सलाह दी. उनकी अगुवाई में समस्त कर्मचारियों ने बढ़ -चढ़कर इसमें हिस्सा लेकर अपना योगदान दिया. डीपीएस के भव्य भवन के चहुंओर पूर्णरूप से सुन्दर, स्वच्छ एवं प्राकृतिक रूप से विद्यमान परिसर को मोहक तथा हराभरा रखने हेतु सभी ने संकल्प लिया. श्री पाटील जी ने कहा कि प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई जैसी समस्याओं से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों को बल देने कि महती आवश्यकता है. डीपीएस ने पर्यावरण संरक्षण हेतु स्कूल में इस वर्ष पर्यावरण विषयों से संबंधित कला प्रदर्शनियाँ, फिल्म स्क्रीनिंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम जनता को जोड़ने और प्रेरित करने कि दिशा में प्रयास करने का ध्येय भी रखा. दिल्ली पब्लिक विद्यालय के कई छात्रों ने भी इस मौके पर विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये.

इसलिए मोदी जैसे नेता होते हैं महान

राष्ट्र और सनातन धर्म को गौरवान्वित करने वाले जननायक हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

भारत में नेताओं की कमी नहीं है. अभी तक हजारों हुए हैं लेकिन राष्ट्र के लिए पूरी तरह से समर्पित नेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिक्र यूं ही नहीं किया जाता है. बहुत कम ऐसे नेता हैं, जिनकी हार पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जनता रोती है. स्थानीय निवासी तथा दुग्ध व्यवसायी प्रमोद भगवंतराव कोंडे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐसे ही मुरीदों में हैं. भाजपा को इच्छीत सफलता मिलने पर उस दिन दूध तथा दही मुफ्त में बांटने की घोषणा की, वहीं एक सब्जीवाले द्वारा अगर सब्जी मुफ्त में बांटने की घोषणा की जाती है तो निश्चित ही इसे नरेन्द्र मोदी का जादू कहना चाहिए. यह लोकप्रियता नरेन्द्र मोदी जैसे महान नेताओं के नसीब में होती है.उन्होंने समूचे देश को यह संदेश दिया कि बिना परिवार, रिश्तेदारों को तारे किस तरह समर्पित भाव से देश की सेवा की जा सकती है. यह मोदी का ही जादू है कि पूरे विश्व में आज भारत का डंका बज रहा है. उनके मुताबिक देश को आज तक इस तरह का समर्पित और राष्ट्र को ही सब कुछ मानने वाला नेता नहीं मिला.

गर्भावस्था के दौरान होने वाली कब्ज तथा बवासीर

गर्भावस्था के पहले ही अगर कुछ कनिक बीमारी हो तो उसे पर इलाज कर लेना चाहिए.ताकि गर्भावस्था के दौरान शरीर स्वस्थ रहे और होने वाले बदलाव को आसानी से अपनाया जा सके. इस तरह बीमारी है कब्ज और बवासीर जो अगर गर्भावस्था के पहले ही है तो उसे सुधार लेना चाहिए.गर्भवती महिला को मल त्याग में कठिनाई महसूस नहीं होनी चाहिए तथा मल भी सख्त नहीं होना चाहिए.

यदि मल त्यागने में कठिनाई हो या मल त्याग की इच्छा कम होने लगे तो उसे कब्ज कहा जाता है जो की बढ़ने पर बवासीर जैसी शिकायतों में बंट जाता है. इसका कारण, बवासीर क्या है,लक्षण एवं चिन्ह तथा बचाव के उपाय तुरंत करना चाहिए.गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को किस तरह सतर्क रहना चाहिए, इस बारे में होम्योपैथी चिकित्सा के माध्यम से विदर्भ स्वाभिमान द्वारा जो जागरूकता प्रयास किया जा रहा है उसकी भी सराहना महिलाओं द्वारा की जा रही है.सफलतम डाक्टर के साथ ही सामाजिक भावना से सदैव महिलाओं तथा युवाओं को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने का काम भी उनके द्वारा किया जा रहा है. इस पहल की कई महिलाओं ने फोन कर सराहना की और इसे प्रशंसनीय पहल बताया.

अमरावती लोकसभा चुनाव की अंतिम स्थिति इस तरह रही

मतदार संघ	मतदार संघांचे नाव	बळवंत वानखडे	नवनित राणा	दिनेश बूब	आनंदराज आंबेडकर	नोटा
३७	बडनेरा	७३३६१	१००१२४	८३९४	२५०१	५९९
३८	अमरावती	११४७०२	७३०५४	६८६३	१४६५	४५९
३९	तिवसा	८५२५९	७४६८३	१११५३	५८७४	३६६
४०	दर्यापूर	८७६४३	७९१७२	२०९६२	६९८०	३८०
४१	मेळघाट	७९५५९	१०११५४	१०२५६	५७२	४३३
४२	अचलपूर	८३४१२	७६६१९	२७३५७	१३२१	२८०
	पोस्टल	२१३५	१७३४	३१५	८०	२७
	एकूण	५२६२७१	५०६५४०	८५३००	१८७९३	२५४४

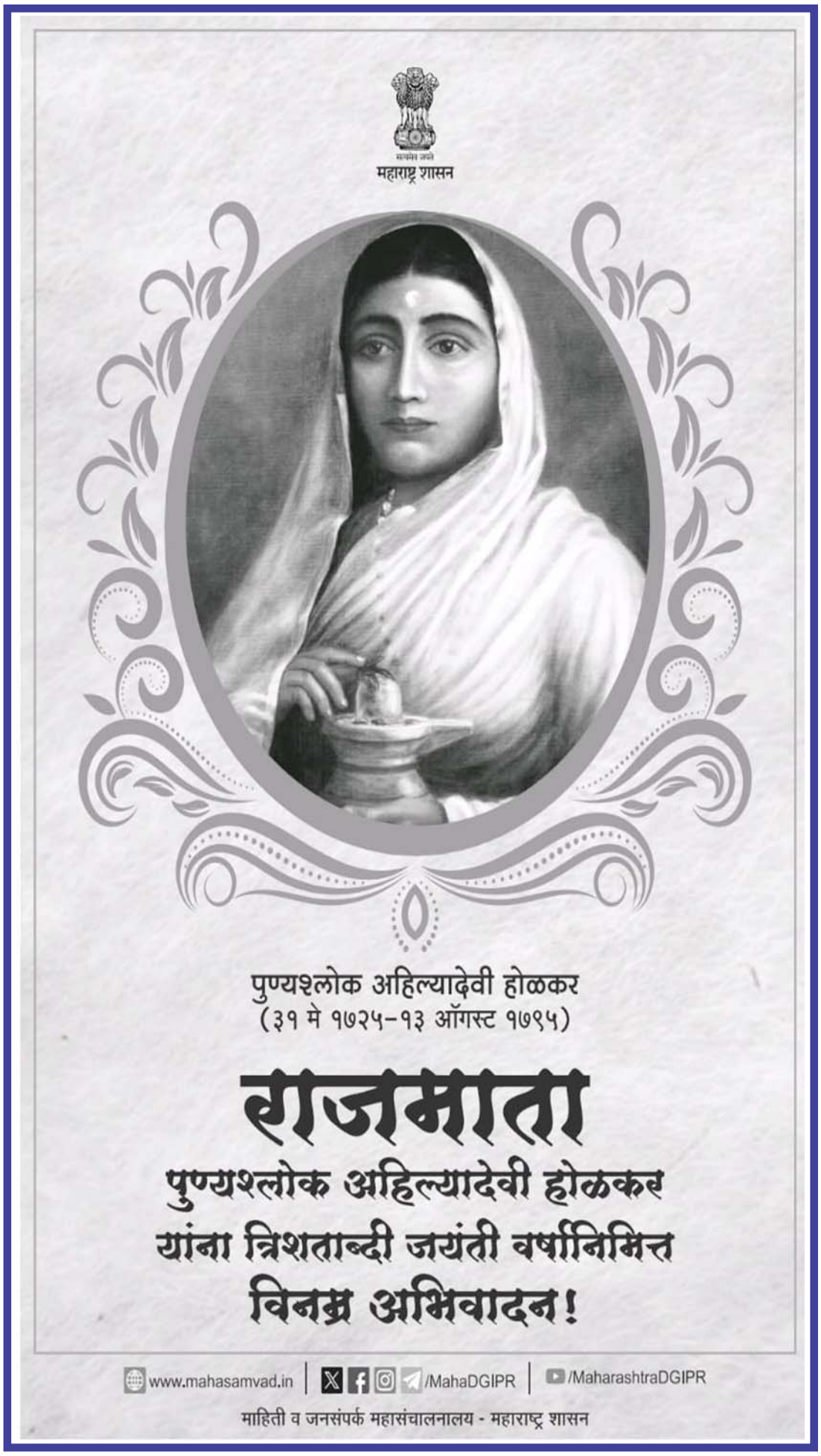

महिलाओं को नमन और सम्मान
विदर्भ स्वाभिमान
नारी तू ही नारायणी
सदस्यता पंजीयन शुरू
विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.
मो. 8855019189
9518528233

सेवा परमो धर्म को मानती है ज्योति राठोड जीवन का सिद्धांत

सेवाव्रती के 3 जून को जन्मदिन पर विशेष

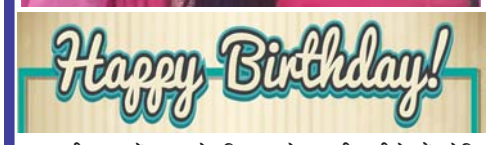

जीवन में अपने लिए तो सभी जीते हैं.लेकिन कुछ ही लोग ऐसे होते हैंजो अपने जीवन के साथ बाकी के बारे में भी विचार करते हैं.बडनेरा आधार केंद्र की समर्पित स्वयंसेवी ज्योति राठौड़ भी सेवा में समर्पित रहने वाली महिला समाजसेविका हैं. वह सदैव बुजुर्ग तथा निराधार और जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है और जो सब कुछ रहने के बाद भी निराधार होते हैं, ऐसे बुजुर्ग महिलाओं और पुरूषों की सेवा तथा मदद में सदैव तत्पर रहती हैं.

मेहनती, ईमानदारी और सेवा भाव को जीवन का सिद्धांत मानने वाली ज्योति राठोड के मुताबिक हर व्यक्ति इंसानियत का जतन करना शुरू कर दे तो धरती पर ही स्वर्ग उतर आएगा. लेकिन दुःख की बात है कि इस मामले में आज के दौर में कोई ध्यान नहीं दिया जाता है. इंसान तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन इंसानियत तेजी से घट रही है.

सेवा भावना जहां उनमें कूट-कूट कर भरी है वहीं दूसरी ओर मनोरोगी बुजुर्गों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं की सेवा में वे सदैव तत्पर रहती हैं.आज के दौर में किसी के काम पर उंगली उठाना बहुत सहज हो गया है. लेकिन समाज के लिए आज जहां अपने माता-पिता की ही सेवा करने में लोगों को शर्मिंदगी एहसास होती है ऐसे दौर में ज्योति सचमुच सेवा की ज्योति बनकर इन बुजुर्गों के जीवन में खुशियां लाने का प्रयास करती है.जीवन में उसके द्वारा किया जा रहा प्रयास न जाने कितने बुजुर्गों के जीवन में खुशियां लाने का कार्य कर रहा है.विदर्भ स्वाभिमान परिवार आपकी सेवा को सलाम करता है.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क,अमरावती

राजकमल चौक हो गया पीला-पीला,नए सांसद वानखडे पर बधाईयों की बौछार

कांग्रेसियों के जश्न में पीला गुलाल बनाने चर्चा का विषय

विदर्भ स्वाभिमान,5 जून

अमरावती लोकसभा सीट से महाविकास आघाड़ी के कांग्रेसी नेता विधायक बलवंतराव वानखडे की जीत की घोषणा से आघाड़ी कार्यकर्ताओं में जबर्दस्त हर्ष व्याप्त है. इसकी खुशी जताने के साथ ही कनिष्ठ क्लर्क, सरपंच से दिल्ली तक पहुंचने वाले बलवंतराव वानखडे पर जहां बधाईयों की बौछार लग रही थी, वहीं दूसरी ओर महानगर के इतिहास में पीला गुलाल इस बार चर्चा का विषय बन गया. राजकमल चौक पीले गुलाल से पीला हो गया था. लोग इसी गुलाल की चर्चा के साथ ही कुछ अतिउत्साही कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से जिस तरह से घटिया उत्साह दिखाया जा रहा था, उसकी निंदा कर रहे थे. उनके मुताबिक ऐसी अतिउत्साही कार्यकर्ताओं के कारण शालीनता से ओतप्रोत रहने वाले नेताओं की प्रतिमा मलिन होती है. ऐसी हरकतों पर समय रहते अंकुश लगाने की जरूरत भी जताई जा रही थी.

महायुति के अमरावती लोकसभा प्रत्याशी बलवंत वानखड़े की जित को ऐतिहासिक करार देते हुए इस जित का जश्न जमकर मनाया जा रहा है. कांग्रेसियो द्वारा किये जा रहे जित के जश्न में पारंपरिक लाल गुलाल के स्थान पर पीले गुलाल को प्राधान्य दिया गया. कांग्रेस के जश्न में इस्तेमाल किया गया वह पीला गुलाल अब नागरिको में जबरदस्त चर्चा का विषय बना है.मंगलवार की दोपहर बाद अमरावती लोकसभा निर्वाचन सीट की तस्वीर साफ हुई,और अब की बार कांग्रेस के सिर जित का सेहरा सजने जा रहा है, यह स्पष्ट होते ही कांग्रेसियो में एकाएक नई ऊर्जा संचारी. शहर के नमूना-पठान चौक से जथ्थे के रूप में निकले नागरिको ने शहर के प्रमुख चौराहो पर जमकर जश्न मनाना शुरू किया. इस जित के जश्न में ढोल-ताशे-पटाखे तो आम था, लेकिन पारंपरिक लाल गुलाल के स्थान पर पीले गुलाल वापर इस जश्न में शामिल नागरिको ने किया. जिससे सभी की नजरे जित के जश्न में उड़ाए गए इस विशेष पिले गुलाल पर ही टिकी रही. कांग्रेस भी रंगो का खेल खेलने में पीछे कैसे रहेंगी, ऐसे शब्द यह पीला जल्लोष देखनेवालो के मुख से साफ सुनाई दिए.

गुरूवार 23-30 मई 2024

मेष
यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ
शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.

मिथुन
अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क
आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ
आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

उद्धव ठाकरे को समर्पित है बलवंतराव ठाकरे की जीत

शिवसेना के जिला समन्वयक ज्ञानेश्वर धाने पाटील ने बहाया था जीत के लिए पसीना

अमरावती- जिले में महाविकास आघाड़ी की शानदार सफलता और कांग्रेसी विधायक बलवंतराव वानखडे की जीत ऐतिहासिक है. 33 साल के लंबे अंतराल के बाद यहां पर कांग्रेस को जीत हासिल हुई है. इस जीत के महाविकास आघाड़ी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता हकदार हैं, जिन्होंने तन-मन और धन से चुनाव में काम किया. बलवंतराव वानखडे की जीत एक लाख से अधिक वोटों से अपेक्षित थी. लेकिन कांटे के मुकाबले में उनकी यह जीत भी महाविकास आघाड़ी के लिए संजीवनी का काम करेगी और आगामी दिनों में इसका जबर्दस्त असर पड़ने वाला है. महाविकास आघाड़ी की यही एकता कायम रहने पर आगामी विधानसभा

विदर्भ स्वाभिमान

चुनाव के साथ ही हर चुनाव में पार्टी द्वारा शानदार कामयाबी हासिल करने का विश्वास शिवसेना के जिला समन्वयक और चुनाव में बलवंतराव वानखडे की जीत के लिए दिन-रात एक करने वाले पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटील ने किया. उनके मुताबिक वानखडे जमीन से जुड़े नेता हैं. सरपंच से लेकर सांसद तक का सफर उन्होंने तय किया है. अपने क्षेत्र में अपार लोकप्रीयता को लेकर सभी को साथ में लेकर चलने का विश्वास करते हैं. उनकी जीत शिवसैनिकों को समर्पित करते हुए ज्ञानेश्वर धाने पाटील ने कहा कि उन्होंने जी-जान से चुनाव में प्रयास किया और उन्हें इस बात की खुशी है कि भाजपा से नाराज जनता ने भी उनका साथ देते हुए महाविकास आघाड़ी को विजयी बनाया.

उद्धव ठाकरे का बदला लिया

शिवसेना के समर्पित कार्यकर्ताओं में से एक ज्ञानेश्वर धाने पाटील ने कहा कि शिवसेना प्रमुख उद्धवराव ठाकरे अपार लोकप्रिय नेता हैं, वे हर शिवसैनिक के दिल में रहते हैं. उनके बारे में नाहक की बयानबाजी लोगों को पसंद नहीं आयी और उन्होंने मतदान के माध्यम से इसे साबित किया. शिवसैनिकों के साथ ही आज हर वर्ग में अपार उत्साह है. लोगों ने साबित कर दिया कि महाराष्ट्र अन्यों की तरह नहीं है बल्कि वह देश को दिशा देने वाला राज्य है. उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना द्वारा किया गया शानदार प्रदर्शन इसका सबूत है. ज्ञानेश्वर धाने पाटील के मुताबिक राजनीति में कभी स्थायी नहीं होता है. लेकिन स्वभाव का भी अत्याधिक महत्व होता है. जनता सब कुछ समझती है और समय आने पर सही तरीके से उसका जवाब देती है, यही बात लोकसभा चुनाव के नतीजों से साबित हुआ है. साथ ही जनता ने संदेश दिया है कि अहंकार उसे पसंद नहीं है. वह जमीन से जुड़े नेताओं को चाहती है.

बेहतरीन संकेत है सफलता

शिवसेना के वरिष्ठ नेता धाने पाटील के मुताबिक महाविकास आघाड़ी को मिली यह सफलता आगामी विधानसभा के साथ ही स्थानीय निकाय चुनावों के लिए भी बेहतरीन संकेत है. जिस तरह से 30 सीटें महाविकास आघाड़ी को मिली हैं, उसके चलते उनका जनाधार बढ़ा है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, गुरूवार 6 से 12 ज़ून 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 50 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

पर्यावरण रहेगा तो हम रहेंगे-नेत्रदान है श्रेष्ठ दान

तेजी से बढ़ रही गर्मी, कभी भी हो रही बारिश और मौसम में लगातार बदलाव के लिए इन्सानी गलती ही जिम्मेदार है. विश्व पर्यावरण दिवस पर इस बार बारिश में सभी को दो-दो पेड़ लगाने और उसका संवर्धन करने का संकल्प लेना चाहिए. ऐसा करने से ही सही मायने में विश्व पर्यावरण दिन की सार्थकता होगी. सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शभकामनाएं.इसी तरह १० जून को विश्व नेत्रदान दिवस के उपलक्ष्य में सभी को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. सभी को नेत्रदान का संकल्प लेते हुए ऐसे लोगों के जीवन में रोशनी देने का प्रयास करना चाहिए. शरीर जलने से पूर्व का यह परमार्थ सर्वोच्च साबित होता है.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे,

जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com